केंद्रीय विद्यालय पवई में खगोल विज्ञान दूरबीन कार्यशाला संपन्न

मुंबई, केंद्रीय विद्यालय संगठन दिल्ली और विज्ञान प्रसार के संयुक्त तत्वावधान में केंद्रीय विद्यालय पवई में ५ दिवसीय खगोल विज्ञान पर आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का गुरुवार, २७ अगस्त को समापन हुआ। इस कार्यशाला में रिजिन-2 के 40 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया जिसमें महाराष्ट्र के 20 और गुजरात के 20 विद्यार्थियों का समावेश था। केंद्रीय विद्यालय पवई की प्रधानाचार्या ममता भट्टाचार्य ने बताया कि यह स्कूल देश में दूसरा ऐसा विद्यालय बन गया है जहां पांच दिनों तक बच्चों को टेलीस्कोप असेम्बल करने से लेकर चांद-तारों को दूरबीन से देखने की ट्रेनिंग दी गयी। नोएडा विज्ञान प्रसार से आए विपिन सिंह रावत के मुताबिक केंद्रीय विद्यालय संगठन ने बच्चों में विज्ञान अनुसंधान के प्रति रुचि उत्पन्न करने के लिए इस तरह के प्रयोगात्मक कार्यशाला की शुरुआत की गयी है। पहली कार्यशाला 17-21 अगस्त को देहरादून में हुई, जिसमें दिल्ली और उत्तराखंड के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था। पवई में 5 दिन के इस कार्यशाला में 9 वीं कक्षा से 12 वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस भव्य कार्यशाला का आयोजन केन्द्रीय विद्यालय संगठन के कमिश्नर संतोष कुमार मल के नेतृत्व में संपन्न हुआ जहां पर के. वी. एस. की संयुक्त आयुक्त विजयलक्ष्मी, उपायुक्त अरुणा भल्ला, सहायक आयुक्त सरिता नासवा, श्रुति भार्गव, जी. ए. नरसिम्हा, प्रो. एस. मुखर्जी, प्रो. एस. चक्रवर्ती, के. वी. पवई की प्रिंसिपल ममता भट्टाचार्या, वाइस प्रिंसिपल वी. एस. वानखेड़े, विज्ञान प्रसार से डा. अरविंद रानाडे, विपिन सिंह रावत व अन्य अध्यापक मौजूद थे।

Nav Bharat Times 04/09/2017

केंद्रीय विद्यालय पवई में दूरबीन बनाने का प्रशिक्षण

■ रिपोर्टर, मुंबई : केंद्रीय विद्यालय पवई में पांच दिनों तक खगोल विज्ञान की प्रदर्शनी चली। इसमें विद्यार्थियों को दूरबीन बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रदर्शनी में क्षेत्र-दो के 40 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इसमें महाराष्ट्र से 20 और गुजरात के 20 शामिल हुए।

केंद्रीय विद्यालय पवई की प्रधानाचार्या ममता भट्टाचार्य ने बताया कि यह स्कूल देश में दूसरा ऐसा विद्यालय बन गया है, जहां पर पांच दिनों तक बच्चों को टेलिस्कोप असेम्बल करने से लेकर चांद-तारों को दूरबीन से देखने का प्रशिक्षण दिया गया।

नोएडा विज्ञान प्रसार से आए विपिन सिंह रावत के मुताबिक केंद्रीय विद्यालय संगठन ने बच्चों में विज्ञान अनुसंधान के प्रति रुचि उतपन्न करने के लिए इस तरह की प्रयोगात्मक प्रदर्शनी की शुरुआत की है। पहली प्रदर्शनी 17-21 अगस्त को देहरादून में हुई, जिसमें दिल्ली और उत्तराखंड के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था। पवई में 5 दिन के इस प्रदर्शनी में 9वीं कक्षा से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

प्रदर्शनी में मुख्य अतिथि के तौर पर केंद्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त संतोष कुमार मल, उपायुक्त अरुण भल्ला, उप प्रधानाचार्य वी. एस. वानखेड़े, शिक्षिका वीना सिंह, डॉ. अरविंद रानाडे, विपिन सिंह रावत मौजूद थे।